बड़े लोगों का बचपन

एलीन जॉयस

महान पियानो वादक

एलीन जॉयस ने बचपन में पैसा कमाने के लिए माउथ-ऑर्गन बजाना शुरू किया.

एलीन जॉयस का जन्म 1912 में तस्मानियाई के एक छोटे से शहर ज़ीहान के पास जंगल की एक झोंपड़ी में हुआ था. जब वो सात साल की थी तब उसके परिवार ने तस्मानिया छोड़ दिया. जाने से पहले, एक पड़ोसी ने उसे एक माउथ-ऑर्गन भेंट किया और पड़ोसी तब चौंक गया जब एलीन उस पर संगीत की वो हर धुन बजाने लगी जो उसने सुनी थी.

जब उसके माता-पिता सोने की तलाश में ऑस्ट्रेलिया में एक खनन शिविर से दूसरे में घूमते, तब एलीन खनिकों के गाने सुनती और उन्हें अपने माउथ-ऑर्गन पर बजाने का अभ्यास करती थी. धीरे-धीरे वो उसमें बहुत निपुण हो गई.

उसके पिता को कभी सोना नहीं मिला, और अंत में, वो बोल्डर सिटी में बस गए, जहाँ उनके भाई का एक होटल था. एलीन को वहां कॉन्वेंट स्कूल में भेजा गया और वो यह जानकार बहुत खुश हुई कि वहां की नन्स बहुत काम फीस में संगीत सिखाती थीं. जब काम से खनिक घर वापिस लौटते तो एलीन उनके लिए माउथ-ऑर्गन बजाकर कुछ पैसा कमाती थी. फिर बिना किसी को बताए उसने पियानो भी सीखना शुरू कर दिया.

स्कूल में पाठ के बाद, वो अपने चाचा के होटल में अभ्यास करने के लिए दौड़ती थी, क्योंकि वहां पर एक पुराना पियानो था. उसके चाचा ने जल्द ही महसूस किया कि वो कोई साधारण संगीतज्ञ नहीं थी और जब एलीन की ट्रेनिंग की बात सामने आई, तो चाचा ने उसकी फीस भरी और अपने पियानो को भी दुरुस्त करवा के उसे भेंट दिया.

जल्द ही बोल्डर सिटी की नन्स ने महसूस किया कि वे एलीन को और नहीं पढ़ा सकती थीं, और पर्थ में उनका बड़ा कॉन्वेंट एलीन को बिना फीस के लेने को तैयार था, ताकि उसे उचित शिक्षा और अधिक उन्नत संगीत का प्रशिक्षण मिल सके. लेकिन पर्थ 400 मील दूर था. जॉयस को वहां जाने का किराया कहां से मिलेगा?

बोल्डर सिटी के खदान मज़दूरों ने अपने पड़ोस की उस छोटी लड़की को याद करते हुए, पैसे इकट्ठे किए और उसका टिकट खरीदा. फिर 10-वर्षीय एलीन, अपनी पहले जोड़ी जूते और घर का बना ब्लाउज-स्कर्ट पहनकर पर्थ के लिए, अकेले ही ट्रेन में बैठी.

लोरेटो कॉन्वेंट वो सबसे खूबसूरत जगह थी जो एलीन ने कभी देखी थी, लेकिन लोरेटो की ज्यादातर लड़कियां अमीर परिवारों से आती थीं और वे गांव से आई उस अजीब लड़की पर हंसती थीं.

संगीत शिक्षिका सिस्टर जॉन, एलीन की संगीत में की कड़ी मेहनत से चकित थीं. उसने अपनी पढ़ाई इतनी जल्दी ख़त्म कर ली कि उसके लिए और अधिक काम खोजना मुश्किल हो गया.

एक दिन एक प्रसिद्ध पियानोवादक, पर्सी ग्रिंगर को एलीन को सुनने के लिए बुलाया गया. वो इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने अखबारों को पत्र लिखकर सुझाव दिया कि एलीन को अमेरिका में पढ़ने के लिए भेजने के लिए एक कोष स्थापित किया जाए. तभी विश्व प्रसिद्ध संगीतकार विल्हेम बैकहॉस एक संगीत कार्यक्रम देने के लिए पर्थ आए. जब उन्होंने एलीन को सुना, तो उन्होंने सुझाया कि एलीन को जर्मनी के लीपज़िग कंज़र्वेटरी में जाना चाहिए, क्योंकि वहां सबसे अच्छे शिक्षक थे.

और फिर वही तय हुआ. "एलीन जॉयस फंड" में पैसा आना शुरू हो गया. जब बोल्डर सिटी के खनिकों ने सुना कि "उनकी एलीन" यूरोप जा रही है, तो उन्होंने भी उसके लिए कुछ पैसा भेजा.

लोरेटो की नन्स ने एलीन को भरपूर कपड़े दिए और विदाई के समय उसकी माँ को एक सप्ताह के लिए पर्थ में आमंत्रित किया. फिर एलीन यूरोप जाने वाली नाव पर सवार हुई.

शुरू में उसे घर की बहुत याद आई और वो दुखी हुई. 14 साल की उम्र में, वो कंज़र्वेटरी की सबसे कम उम्र की विद्यार्थियों में से एक थी. उसे नियमित रूप से व्यक्तिगत पाठ करने की आदत थी, लेकिन लीपज़िग में छात्रों को व्याख्यानों का पालन करना पड़ता था और साथ-साथ रहना पड़ता था. एलीन को दोगुनी मेहनत करनी पड़ी क्योंकि वो अन्य छात्रों से काफी पीछे थी.

ऊपर: नन्स ने एलीन को नए कपड़े भेंट किए.

पहले तो वो कहीं भी जाने से डरती थी. लेकिन धीरे-धीरे उसने दोस्त बनाए. पर अंत में उसने बहुत कम पैसे में वहां का आनंद लेना शुरू कर दिया.

धीरे-धीरे उसका फंड घटने लगा. जब दूसरा साल आया तो एलीन को ऐसा लगने लगा कि उसे अपना कोर्स अधूरा छोड़कर ऑस्ट्रेलिया वापिस जाना होगा.

फिर एक चमत्कार हुआ. संयोग से वो न्यूज़ीलैंड के एक धनी दंपति से मिली जो यूरोप का दौरा कर रहे थे. जब उन्होंने एलीन की परेशानी सुनी, तो उन्होंने उसकी मदद की.

उन्होंने उसकी फीस भरी और जब उसकी पढ़ाई समाप्त हुई, तो वे उसे इंग्लैंड ले गए और वहां उसे एक स्टूडियो दिया जिससे वो अपनी पहले पेशेवर प्रदर्शन के लिए अभ्यास कर सके.

एलीन केवल सोलह वर्ष की थी जब उसने लंदन में क्वीन्स हॉल में अपना पहला प्रदर्शन दिया. उसके चरित्र की दृढ़ता और दोस्तों की दया ने, उसे छह साल के अंदर एक गरीब बस्ती में रहने वाली लड़की से एक कुशल पियानोवादक में बदल दिया था.

और उसकी सफलता पर उस पड़ोसी से ज़्यादा गर्व किसी और को नहीं था, जिसने बचपन में उसे एक माउथ-ऑर्गन भेंट किया था.

नीचे: जब केवल सोलह वर्ष की थी, तब एलीन जॉयस ने लंदन में क्वीन्स हॉल में पियानो बजाया.